

जेलों में बंद कैदी बन रहे थे आईएसआई के मोहरे

मलेशिया से डिपोर्ट तीन संदिग्धों से पूछताछ में खुलासा; लुधियाना में ग्रेनेड ब्लास्ट कर दहशत फैलाने की थी साजिश

जेलों से ग्राउंड नेटवर्क तैयार करने का आरोप, पंजाब-राजस्थान की जेलों से जुड़े नेटवर्क के तार

अश्वनी पाहवा | लुधियाना समर न्यूज़

मलेशिया से डिपोर्ट कर भारत लाए गए तीन संदिग्धों से पुलिस और खुफिया एजेंसियों की पूछताछ में सीमा पार से संचालित नार्को-टेरर नेटवर्क को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ (आईएसआई) पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्थानीय गैंगस्टर्स और जेलों में बंद शक्तिर कैदियों का इस्तेमाल कर रही है। इस नेटवर्क का मकसद ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के साथ-साथ पंजाब के अलग-अलग शहरों में विस्फोट कर दहशत फैलाना था। लुधियाना में सब्जी मंडी के पास चीनी निर्मित ग्रेनेड से किए जाने वाले नाकाम हमले की साजिश भी इसी नेटवर्क का हिस्सा बताई जा रही है।

■ **मलेशिया के ‘अली’ के जरिए पाक हैंडलर से जुड़ा नेटवर्क...**

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मलेशिया से डिपोर्ट किए गए अजय मलेशिया, जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल और पवनदीप सिंह से हुई गहन पूछताछ में अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कई कड़ियां सामने आई हैं। जांच में पता चला कि पाकिस्तान में बैठा एक आतंकी ऑपरेटर इस पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। उसके निर्देश मलेशिया में मौजूद ‘अली’ नाम के व्यक्ति के जरिए आरोपितों तक पहुंचते थे। मलेशिया में रहने के दौरान जस बेहबल की मुलाकात अली से हुई थी। पुलिस जांच के मुताबिक अली सीधे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के संपर्क में था। अली के माध्यम से जस बेहबल और उसके साथियों को पाकिस्तानी हैंडलर से जोड़ा गया। इसके बाद उन्हें ड्रग्स, हथियारों और विस्फोटक से जुड़े काम सौंपे जाने लगे।



जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क ने पंजाब और राजस्थान की जेलों में बंद कैदियों को भी अपने संपर्क में रखा हुआ था। जेल में बंद आरोपितों के जरिए बाहर मौजूद युवकों और स्थानीय अपराधियों को नेटवर्क में शामिल किया जा रहा था। पुलिस इस मामले में 10 आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें श्री मुक्तसर साहिब, श्रीगंगानगर और फरीदकोट की जेलों में बंद छह कैदी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, राजस्थान के गंगानगर निवासी अजय और फरीदकोट निवासी जस बेहबल ने जेल में बंद अपने संपर्कों के माध्यम से ग्राउंड लेवल पर नए युवकों को इस साजिश से जोड़ा। इसके बाद इन्हें हथियार और विस्फोटक पहुंचाने तथा आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की जिम्मेदारी दी जाती थी।

■ **अमृतसर से ग्रेनेड लेकर लुधियाना पहुंचे थे आरोपित**

लुधियाना में प्रस्तावित ग्रेनेड हमले की साजिश का खुलासा उस समय हुआ जब पुलिस ने शिवपुरी चौक के पास गश्त के दौरान कुलदीप नामक युवक को ग्रेनेड से भरे बैग सहित गिरफ्तार किया था। उसका साथी शंकर मौके से फरार हो गया था। पूछताछ में सामने आया कि अमृतसर से ग्रेनेड लाकर लुधियाना में विस्फोट करने की योजना थी। जांच के मुताबिक, अमृतसर से लाए गए इन ग्रेनेड को मुक्तसर जेल में बंद कैदियों के निर्देश पर लुधियाना पहुंचाया गया था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक कहाँ से हासिल किए गए और उन्हें पंजाब तक पहुंचाने में किन लोगों ने मदद की।

■ **ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के बदले मिला था सुरक्षित रूट**

जांच अधिकारियों के अनुसार, अजय मलेशिया पहले से ही पाकिस्तानी हैंडलरों के लिए ड्रग्स और अवैध हथियारों की तस्करी से जुड़ा था। इसके बदले उसे और उसके साथियों को तस्करी के सुरक्षित रूट उपलब्ध कराने तथा आर्थिक मदद देने का भरोसा दिया गया था। इसी नेटवर्क के माध्यम से लुधियाना में ग्रेनेड हमला कर दहशत फैलाने की योजना तैयार की गई थी।

■ **ड्रोन से सीमा पार से पहुंच रहे हथियार और नशे:** सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ भेजे जा रहे हैं। इसके बाद जेलों में बैठे गैंगस्टर और

उनके बाहर मौजूद गुर्गो इन्हें अलग-अलग शहरों तक पहुंचाने में भूमिका निभाते हैं। एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क को नार्को-टेरर मॉडल के तौर पर देख रही हैं। अब पुलिस और खुफिया एजेंसियां मलेशिया के ‘अली’, पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों, जेल में बंद कैदियों और उनके स्थानीय संपर्कों के बीच संबंधों की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। साथ ही संभावित स्लीपर सेल, वित्तीय मददगारों और हथियार-ड्रग्स की सप्लाई में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। सीमा पार नार्को-आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा ड्रग सिंडिकेट और संगठित गैंगस्टर नेटवर्क के इस्तेमाल की बात सामने आती रही है।

फर्जी सहमति पत्रों से भू-उपयोग मंजूरी के आरोपों की पड़ताल सनटेक सिटी के बाद 2021 से मंजूर 10 सीएलयू ईडी की जांच के दायरे में

समर न्यूज़ | मोहाली

मोहाली के सनटेक सिटी प्रोजेक्ट में कथित फर्जी सहमति पत्रों के आधार पर भू-उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) मंजूरी लेने के मामले की जांच अब व्यापक होती जा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सनटेक सिटी के अलावा वर्ष 2021 के बाद निजी रियल एस्टेट कंपनियों

को दी गई ऐसी 10 सीएलयू मंजूरियों को भी जांच के दायरे में लिया है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इन मामलों में भी नियमों में ढील, फर्जी दस्तावेज या भूमि मालिकों की सहमति से जुड़ी अनियमितताएं हुईं।

मामले में अब पंजाब के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से भी पूछताछ हो रही है। पूर्व मुख्य सचिव और वर्तमान अतिरिक्त मुख्य सचिव

(राजस्व) अनुराग वर्मा को 31 अगस्त को जालंधर स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने के लिए समन किया गया है। वहीं 2024 में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की निदेशक रहें आईएसएस अधिकारी केवल प्रीत बराड़ को अतिरिक्त दस्तावेजों के साथ 27 अगस्त को दोबारा बुलाया गया है। बराड़ इससे पहले 18 अगस्त को ईडी के समक्ष पेश हो चुकी हैं।

सनटेक से शुरू हुई जांच का दायरा बढ़ा

जांच के अनुसार, सनटेक सिटी के लिए करीब 108.58 एकड़ कृषि भूमि के विकास से संबंधित सीएलयू मंजूरी हासिल करने में कथित फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल हुआ। ईडी ने इस मामले में इंडियन कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी के सचिव अजय सहगल को गिरफ्तार भी किया था। ईडी ने जुलाई में विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत, मोहाली के समक्ष करीब 348 करोड़ रुपये के कथित अपराध से अर्जित धन से जुड़ी अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। एजेंसी का आरोप है कि सनटेक सिटी परियोजना में कथित अनियमितताओं से हासिल रकम को छिपाने और उसका इस्तेमाल करने की कोशिश की गई।

■ **25 प्रतिशत जमीन के नियम पर सवाल:** जांच में पंजाब की 2014 की नीति भी महत्वपूर्ण हो गई है। इस नीति के तहत रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए डेवलपर को परियोजना क्षेत्र की कम से कम 25 प्रतिशत जमीन का मालिक होना पर्याप्त माना गया था। बाकी जमीन के लिए संबंधित मालिकों की सहमति या अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की व्यवस्था थी। जांच एजेंसी को आशंका है कि इसी व्यवस्था का कथित तौर पर दुरुपयोग कर कुछ



मामलों में फर्जी सहमति पत्र तैयार कर सीएलयू या लेआउट मंजूरियां हासिल की गईं। यह व्यवस्था इसलिए भी जांच के केंद्र में है क्योंकि केवल 25 प्रतिशत जमीन पर स्वामित्व होने के बावजूद डेवलपर को बड़े भूखंड पर परियोजना विकसित करने का रास्ता मिल जाता था।

■ **सात मामलों में आंशिक रद्दीकरण:** जांच के दौरान टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की ओर से सीएलयू रद्द करने की प्रक्रिया भी सामने आई है। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, 2024 के बाद कथित फर्जीवाड़े, फर्जी बैंक एनओसी या अन्य विवादों से जुड़े सात मामलों में धारा 85 के तहत आंशिक सीएलयू रद्द करने की कार्रवाई की गई। वर्ष 2021 से 2025 के बीच ऐसे मामलों में बजवा डेवलपर्स, इनोवेटिव हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर, अल्टस स्पेस बिल्डर्स, सुखमन इंफ्रास्ट्रक्चर और सनी

लवली डेवलपर्स के नाम सामने आए हैं। 2022 तक फर्जी सहमति से जुड़े मामलों में धारा 90 के तहत कार्रवाई की जाती थी। 2024 में पंजाब के महाधिवक्ता कार्यालय से कानूनी राय लेने के बाद कुछ मामलों में धारा 85 के तहत कार्रवाई शुरू हुई।

■ **सनटेक में लाइसेंस भी रद्द:** सनटेक सिटी मामले में संबंधित भूखंडों की सीएलयू के आंशिक रद्दीकरण के साथ पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन एक्ट के तहत परियोजना का लाइसेंस भी रद्द किया गया। इसके बाद प्रमोटर के लिए आगे नए भूखंड बेचने का रास्ता बंद हो गया। यह कार्रवाई इस मामले को अन्य विवादित सीएलयू मामलों से अलग बनाती है। ईडी अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि सीएलयू मंजूर करते समय भूमि मालिकों की सहमति की वास्तविकता की जांच किस स्तर पर हुई।

विदेश में बसे पंजाबियों ने सरकार से मांगी सख्त कार्रवाई

एनआरआई मिलनी में पुलिस की निष्क्रियता व इमिग्रेशन धोखाधड़ी की शिकायतें ज्यादा

समर न्यूज़ | बटिंडा

बटिंडा में आयोजित 'एनआरआई मिलनी' कार्यक्रम में विदेशों में बसे पंजाबियों ने पुलिस की कथित निष्क्रियता, इमिग्रेशन धोखाधड़ी व जमीन से जुड़े विवादों को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनआरआई परिवारों ने अधिकारियों के सामने शिकायतें रखीं और कहा कि विदेश में रहने के कारण उनकी शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती। एनआरआई समुदाय ने पंजाब और हरियाणा में बच्चों के बीच तेजी से बढ़ती रहे सैलफोन की लत पर भी चिंता जताई और इससे निपटने के लिए सामाजिक स्तर पर अभियान चलाने की पहल की घोषणा की।

जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्व, पुलिस, इमिग्रेशन, पंचायत और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, एनआरआई नागरिकों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करने और लंबित मामलों की समीक्षा के उद्देश्य से यह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिला प्रशासन ने कहा है कि एनआरआई मिलनी में प्राप्त सभी शिकायतों को संबंधित विभागों के पास भेजा गया है और उनके निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जमीन विवाद, पुलिस मामलों और इमिग्रेशन धोखाधड़ी जैसी शिकायतों के समाधान के लिए विभागों के बीच समन्वय बढ़ाया जाएगा।

■ **पुलिस कार्रवाई में देरी पर नाराजगी:** बैठक के दौरान कई एनआरआई परिवारों ने आरोप लगाया कि उनकी शिकायतें दर्ज होने के बावजूद पुलिस स्तर पर कार्रवाई में



अनावश्यक देरी होती है। कुछ लोगों ने बताया कि विदेश में रहने का फायदा उठाकर उनकी संपत्तियों पर कब्जे की कोशिश की गई, जबकि कई मामलों में शिकायत दर्ज होने के बाद भी जांच आगे नहीं बढ़ी। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि सभी लंबित मामलों की अलग से समीक्षा की जाएगी और जिन मामलों में जांच लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि एनआरआई मामलों के लिए बनाई गई विशेष व्यवस्था के तहत शिकायतों की नियमित निगरानी की जाएगी।

■ **इमिग्रेशन धोखाधड़ी के कई मामले आए सामने:** एनआरआई मिलनी में इमिग्रेशन एजेंसियों से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों की भी बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आईं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये लेने के बावजूद कई एजेंटों ने वीजा, नौकरी या दाखिले का झूठा भरोसा दिया। कुछ मामलों में फर्जी दस्तावेज तैयार करने और रकम लेने के बाद संपर्क तोड़ देने की शिकायत भी अधिकारियों के समक्ष रखी गई। प्रशासन ने संबंधित विभागों को ऐसे

मामलों की जांच तेज करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इमिग्रेशन धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में पहले से दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की जा रही है और आवश्यक होने पर संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

■ **जमीन विवाद भी बने बड़ी चिंता:** कार्यक्रम में सबसे अधिक शिकायतें जमीन और संपत्ति से जुड़े विवादों की रहीं। विदेश में रहने वाले कई पंजाबियों ने आरोप लगाया कि उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर रिश्तेदारों या अन्य लोगों ने जमीन पर कब्जा करने, दस्तावेज बदलने या अवैध तरीके से बिक्री का प्रयास किया। कुछ शिकायतों में राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी और लंबित म्यूटेशन के मुद्दे भी उठाए गए। जिला प्रशासन ने ऐसे मामलों में राजस्व अधिकारियों को समयबद्ध जांच करने और शिकायतकर्ताओं को नियमित प्रगति रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया।

■ **बच्चों की मोबाइल लत पर एनआरआई की पहल:** एनआरआई समुदाय ने बैठक के दौरान एक सामाजिक मुद्दे की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। विदेशों में रहने वाले पंजाबियों ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में बच्चों के बीच मोबाइल

फोन और डिजिटल स्क्रीन की लत तेजी से बढ़ रही है, जिसका असर उनकी पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर पड़ रहा है। इसी चिंता को देखते हुए कई एनआरआई संगठनों ने स्कूलों, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की पहल की है। उनका मानना है कि केवल मोबाइल पर रोक लगाने के बजाय बच्चों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, पुस्तक पढ़ने और सामुदायिक कार्यक्रमों से जोड़ना अधिक प्रभावी होगा।

■ **स्कूलों और परिवारों को जोड़ने की योजना:** एनआरआई प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि गांवों और शहरों के स्कूलों में डिजिटल संतुलन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके अलावा अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, खेल प्रतियोगिताएं और सामुदायिक केंद्रों में बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना भी सामने रखी गई। सामाजिक संगठनों का कहना है कि विदेशों में ऐसे कई मॉडल सफल रहे हैं। अब इसी तरह की पहल पंजाब और हरियाणा में शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

■ **सामाजिक भागीदारी पर जोर:** एनआरआई समुदाय का कहना है कि पंजाब की समस्याओं का समाधान केवल प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी से भी संभव है। इसी सोच के तहत उन्होंने युवाओं को नशे, साइबर ठगी और मोबाइल की लत जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए शिक्षा, खेल और सामाजिक जागरूकता पर आधारित संयुक्त अभियान चलाने का प्रस्ताव रखा है।

सिरसा नदी: जहरीले कचरे की जांच, कारोबारियों को नोटिस

सिरसा से सतलुज व आगे पंजाब के नहर तंत्र तक प्रदूषण पहुंचने की आशंका, औद्योगिक इकाइयों के स्रोत की तलाश

समर न्यूज़ | रूपनगर

सिरसा नदी में कथित तौर पर जहरीला औद्योगिक कचरा और अन्य खतरनाक सामग्री डाले जाने के मामले की जांच अब और व्यापक हो गई है। रूपनगर पुलिस ने हरियाणा की सीमा से लगे नवानगर और मडाली गांवों में भूड खड्ड के नदी तल में कथित रूप से अवैध तरीके से कबाड़ का कारोबार करने वालों को नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने के लिए कहा है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नदी और उसकी सहायक धाराओं में मिला कचरा कहाँ से आया और इसे वहां किसने डंप किया।

यह मामला तब सामने आया जब रूपनगर हेडवर्क्स के पास सतलुज में बड़ी मात्रा में सैंदिध औद्योगिक कचरा, प्लास्टिक और तैरता हुआ कूड़ा जमा हो गया। रूपनगर के विधायक दिनेश चड्ढा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि हिमाचल प्रदेश के बड़ी-नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाला प्रदूषित कचरा सिरसा नदी के रास्ते सतलुज तक पहुंच रहा है।

पुलिस व पीपीसीबी के अधिकारियों की संयुक्त जांच के दौरान सिरसा नदी की सहायक धाराओं और भूड खड्ड के आसपास कई जगह कचरे के ढेर पाए गए। इनमें औद्योगिक अवशेष के साथ प्लास्टिक, पैकेजिंग सामग्री और अन्य सैंदिध सामग्री शामिल थी। कुछ स्थानों पर इस्तेमाल की गई सीरिज, फेंकी गई दवाइयां और अन्य जैव-चिकित्सकीय कचरा भी मिलने की जानकारी सामने आई है। रूपनगर शहर के थाना प्रभारी पवन कुमार के अनुसार, नदी तल में कबाड़ का कारोबार करते पाए गए सभी कारोबारियों को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं।

मामले में हिमाचल प्रदेश के बड़ी-नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र की भूमिका भी जांच के केंद्र में है। विधायक की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस क्षेत्र की कुछ औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक और औद्योगिक कचरा नालों तथा मौसमी धाराओं के जरिए सिरसा नदी में पहुंच सकता है। पुलिस अभी इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कर रही है। हालिया निरीक्षण में हिमाचल-हरियाणा सीमा से लगे इलाकों में भी औद्योगिक स्लज, रासायनिक अवशेष, पैकेजिंग सामग्री और अन्य कचरे के ढेर मिलने की बात सामने आई है। कुछ स्थानों पर निजी कचरा निपटान एजेंसियों से संबंधित सकेतक भी पाए जाने की सूचना है। इसलिए जांच अब केवल नदी में प्रदूषण के स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पता लगाने पर भी केंद्रित है कि औद्योगिक कचरे के निपटान की जिम्मेदारी किसे दी गई थी और उसे निर्धारित स्थान के बजाय नदी तंत्र में कैसे पहुंचाया गया।

■ **बारिश में बढ़ सकता है खतरा:** अधिकारियों की चिंता का एक बड़ा कारण मानसून है। भारी बारिश और अचानक आने वाली बाढ़ के दौरान नदी तल और सहायक धाराओं में पड़ा कचरा बहकर सिरसा नदी में पहुंच सकता है। इसके बाद यह सतलुज तलों के बड़े क्षेत्र में फैलने और पंजाब के नहर तंत्र तक पहुंचने की आशंका है। यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूपनगर हेडवर्क्स के आगे सतलुज का पानी पंजाब के विभिन्न हिस्सों में



नदी और नहर नेटवर्क के माध्यम से पहुंचता है। इसलिए जांच एजेंसियां प्रदूषण के संभावित स्रोत के साथ-साथ उसके प्रभाव वाले क्षेत्र की भी निगरानी कर रही हैं।

■ **पहले भी सामने आ चुके हैं प्रदूषण के संकेत:** सिरसा नदी में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर पहले भी वैज्ञानिक अध्ययनों और निगरानी रिपोर्टों में चिंता जताई जा चुकी है। उपलब्ध अध्ययनों में बड़ी औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले प्रदूषकों, दवा उद्योग से जुड़े रासायनिक अवशेष और कुछ भारी धातुओं की मौजूदगी की ओर संकेत किया गया है। इससे मौजूदा कचरा डंपिंग की जांच को और गंभीरता मिली है। मामलों में अंतरराज्यीय स्तर पर भी जांच की जरूरत महसूस की जा रही है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की संयुक्त टीम से सिरसा-स्वा-सतलुज जल निकासी तंत्र का निरीक्षण कराने का प्रस्ताव सामने आया है। इसमें बड़ी-नालागढ़ और हिमाचल के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में नालों तथा औद्योगिक निकास बिंदुओं की जांच शामिल हो सकती है।

■ **जिम्मेदारी तय करने की चुनौती:** पुलिस के सामने सबसे

बड़ी चुनौती कचरे के वास्तविक स्रोत की पहचान करना है। हेडवर्क्स पर कचरा मिलने से यह संकेत जरूर मिला है कि प्रदूषित सामग्री नदी तंत्र के जरिए नीचे की ओर आई, लेकिन इसके आधार पर किसी एक उद्योग को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। नमूनों, मौके की जांच, दस्तावेजों और संभावित कचरा निपटान एजेंसियों की भूमिका की पड़ताल के बाद ही तस्वीर साफ होगी। फिलहाल पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी इसी दिशा में जांच आगे बढ़ा रहे हैं।

■ **सतलुज की निगरानी अहम:** मामले ने पंजाब में सतलुज के जल स्रोतों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ाई है। रूपनगर हेडवर्क्स पर जमा कचरे को लेकर पहले ही सवाल उठ चुके हैं और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि नदी तंत्र में पहुंचने वाले औद्योगिक तथा जैव-चिकित्सकीय कचरे को समय रहते रोका जाए। अब जांच का अगला महत्वपूर्ण चरण यह तय करना होगा कि प्रदूषण का स्रोत कौन है, कचरे को नदी तक पहुंचाने में किसकी भूमिका रही और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अंतरराज्यीय निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी बनाई जा सकती है।

हिमाचल में दिवाली से लाॅटरी शुरू करने पर सियासत तेज, जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- लाॅटरी की लत के चलते हिमाचल के कई परिवार आ गए थे सड़कों पर, इसलिए भाजपा ने की थी बंद

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश में दिवाली से लाॅटरी शुरू करने के सरकार के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। भाजपा ने इस फैसले का विरोध करते हुए कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार दिवाली से लाॅटरी शुरू करने का रहीं है, जबकि इसका सबसे ज्यादा असर आम परिवारों पर पड़ेगा।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि लाॅटरी के कारण पहले भी हिमाचल में कई परिवार आर्थिक संकट में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने लाॅटरी की लत के चलते अपनी जमीन और दूसरी संपत्तियां तक बेच दी थीं। भाजपा सरकार ने इसी वजह से प्रदेश में लाॅटरी को बंद किया था।

जयराम ने लाॅटरी की तुलना नशे से करते हुए कहा कि इसकी आदत पड़ने के बाद व्यक्ति आर्थिक रूप से बर्बाद होने तक इससे बाहर नहीं निकल पाता। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर अपने आर्थिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते



हुए फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि जिस कंपनी को लाॅटरी का टेंडर दिया गया है, उसकी भूमिका भविष्य में जांच का विषय बन सकती है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं को जुए और सट्टेबाजी की ओर धकेलने वाला कदम उठा रही है।

वहीं उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि हिमाचल में सिंगल लाइन या सिंगल डिजिट लाॅटरी शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाॅटरी को नियंत्रित तरीके से संचालित करने के लिए सरकार ने नियम और मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी तैयार की है। सरकार का तर्क है

कि देश के कई राज्यों में वैध और नियंत्रित तरीके से लाॅटरी संचालित हो रही है। इसी तर्ज पर हिमाचल में भी लाॅटरी शुरू करने की तैयारी है। सरकार का दावा है कि सख्त नियमों के तहत संचालन होने से अवैध जुए और सट्टेबाजी पर भी नियंत्रण लगाने में मदद मिल सकती है।

हर्षवर्धन चौहान के अनुसार, केरल और पंजाब जैसे राज्यों की तर्ज पर लाॅटरी शुरू होने से हिमाचल सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये सालाना राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसके लिए कानूनी, प्रशासनिक और वित्तीय पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया गया है। अध्ययन के बाद एसओपी तैयार कर संबंधित फाइल वित्त विभाग की मंजूरी के लिए भेजी गई

रक्षाबंधन पर विधानसभा पहुंची महिला मोर्चा की कार्यकर्ता, जयराम ठाकुर की कलाई पर बांधी राखी

है। अब सबकी नजर वित्त विभाग की मंजूरी पर है। मंजूरी मिलने के बाद सरकार लाॅटरी योजना को कब लागू करती है और इससे वास्तव में सरकारी खजाने को कितनी आय होती

है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल लाॅटरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और दिवाली से पहले इस पर सियासत और गरमाने के आसार हैं।

सड़कों पर उतरें महिलाएं, पीर निगाह मंदिर का संचालन बसौली पंचायत को सौंपने की मांग

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

पीर निगाह मंदिर के संचालन को लेकर चल रहा विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। कई दिनों से जारी आंदोलन के बीच रक्षाबंधन से एक दिन पहले बसौली पंचायत की महिलाओं, ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर ऊना शहर में रोष रैली निकाली और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

रोष रैली लोक निर्माण विभाग के रैस्ट हाउस से शुरू हुई, जो डीसी कॉलोनी, मुख्य बाजार और रेड लाइट चौक से होते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी और एमसी पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी ग्रामीणों के साथ मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तायां लेकर अपनी मांगों को उठाया और पीर निगाह मंदिर का



संचालन दोबारा बसौली पंचायत को सौंपने की मांग की।

मीडिया से बातचीत में जिला परिषद सदस्य एवं गांववासी अनु ठाकुर ने कहा कि पीर निगाह मंदिर का संचालन वापस लेकर ही रहेंगे। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा।

ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर पूर्व विधायक सतपाल रायजादा पर भी निशाना साधा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पूर्व विधायक अब तक आंदोलन कर रहे ग्रामीणों से मिलने नहीं पहुंचे और भी मंदिर का संचालन वापस दिलाने के लिए

उनके पक्ष में आवाज उठाई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इसके बजाय उन्हें मामले दर्ज करने की धमकियां दी जा रही हैं। महिलाओं ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पर्व से एक दिन पहले उन्हें अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के संचालन का अधिकार वापस मिलने तक महिलाएं और ग्रामीण पीछे हटने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त ऊना से पूरे मामले में जल्द हस्तक्षेप कर समाधान निकालने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक पीर निगाह मंदिर का संचालन वापस बसौली पंचायत को नहीं सौंपा जाता, तब तक उनका आंदोलन और संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

नेपाल आपदा में ऊना के संपर्कविहीन लोगों की सूचना दें

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

नेपाल में हाल ही में हुई प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर ऊना जिला प्रशासन ने जिले से संबंधित उन लोगों की जानकारी उपलब्ध करवाने की अपील की है, जो आपदा के समय नेपाल में मौजूद थे और अब तक अपने परिजनों या परिचितों के संपर्क में नहीं आ पाए हैं।

उपायुक्त जितिन लाल ने कहा कि यदि ऊना जिले का कोई व्यक्ति, परिजन, रिश्तेदार या परिचित आपदा के दौरान नेपाल में मौजूद था और वर्तमान में उससे संपर्क स्थापित नहीं हो पा रहा है, तो उसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन के साथ साझा की जाए। उन्होंने लोगों से संबंधित व्यक्ति का नाम, मोबाइल नंबर, नेपाल में ठहरने का स्थान और अन्य उपलब्ध विवरण उपलब्ध करवाने का आग्रह किया।

प्रशासन को प्राप्त सूचनाओं को संबंधित अधिकारियों एवं स्तरों पर साझा कर आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही, प्रभावित व्यक्तियों व उनके परिजनों तक हसंभव सहायता पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। उपायुक्त ने सत्यापित जानकारी देने की अपील की।



नारकंडा गैस एजेंसी से जोड़ने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा। उनका कहना था कि इससे क्षेत्र में एलपीजी वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी आवश्यक औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी करने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों के अनुसार कोटखाई क्षेत्र में करीब 15,400 एलपीजी कनेक्शन हैं।

स्मार्ट मीटर को लेकर हमीरपुर में बढ़ा विवाद कनेक्शन काटे जाने पर उपभोक्ताओं का विरोध

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर हमीरपुर शहर में विवाद गहरता जा रहा है। शहर के गौड़ा इलाके में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने से इनकार किए जाने के बाद विद्युत बोर्ड की ओर से उनके बिजली कनेक्शन काटे जाने का मामला सामने आया है।

कनेक्शन कटने से नाराज उपभोक्ताओं ने विद्युत बोर्ड और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वीरवार को उपभोक्ता कल्याण मंच के नेतृत्व में प्रभावित लोगों ने पुलिस अधीक्षक हमीरपुर से मुलाकात कर शिकायत सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है और विरोध करने पर बोर्ड तथा मीटर लगाने वाली कंपनी के कर्मचारी उन्हें डराते-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी इच्छा से स्मार्ट मीटर लगवाने से इनकार किया था, लेकिन इसके बावजूद उनके बिजली कनेक्शन काट दिए गए। इससे कई परिवारों को पेशानी का सामना करना



पड़ रहा है।उपभोक्ता कल्याण मंच के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने कहा कि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका आरोप है कि विरोध करने पर लोगों के बिजली कनेक्शन काटकर उन्हें अंधेरे में रखा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि शहर के एक अन्य क्षेत्र में भी कुछ उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए थे और एक परिवार को करीब एक महीने तक बिजली के बिना रहना पड़ा।

बाद में न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद उस परिवार की बिजली आपूर्ति बहाल की गई।सुरेश ठाकुर ने कहा कि मंच ने पुलिस अधीक्षक से विद्युत बोर्ड और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि काटे गए बिजली कनेक्शन जल्द बहाल नहीं किए गए तो विद्युत बोर्ड के अधिकारियों का घेराव किया जाएगा और कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

चंबा: चुराह में मानसून से पीडब्ल्यूडी को 1.95 करोड़ रुपये का नुकसान, जल्द शुरू होंगे मरम्मत कार्य

मंजूर पठान | चम्बा
समर न्यूज़

चम्बा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र के उपमंडल कोटी में इस मानसून सीजन के दौरान लोक निर्माण विभाग को करीब 1 करोड़ 95 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

विभाग ने नुकसान का आकलन कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है। वहीं, क्षतिग्रस्त सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की मरम्मत के लिए विभाग को पीडीएनए के तहत कुछ बजट भी प्राप्त हुआ है।लोक निर्माण विभाग अब प्राप्त बजट के आधार पर जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है, ताकि मानसून के दौरान हुए नुकसान की समय रहते भरपाई की जा सके।

अन्य प्रभावित कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट की मांग भी उच्च अधिकारियों से की गई है। मानसून



के दौरान क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर सड़कें प्रभावित हुईं। ऐसे में लोगों को यातायात संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए लोक निर्माण विभाग की टीमें लगातार मौके पर डटी रहीं। विभाग की ओर से संवेदनशील स्थानों पर मशीनरी तैनात की गई और सड़क मार्गों को बहाल करने के लिए लगातार प्रयास किए गए। एसडीओ लोक निर्माण विभाग उपमंडल कोटी संजीव कुमार अत्री ने बताया कि मानसून के पूरे सीजन में विभाग लगातार सेवाएं देता

रहा। जहां भी सड़कें बाधित हुईं, वहां मशीनरी लगाकर उन्हें खोलने के प्रयास किए गए।

उन्होंने कहा कि अब तक करीब 1 करोड़ 95 लाख रुपये के नुकसान का आकलन हुआ है।उन्होंने बताया कि पीडीएनए के तहत प्राप्त बजट से जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा जिन कार्यों के लिए अभी बजट उपलब्ध नहीं हुआ है, उनके लिए भी धनराशि की मांग की गई है, ताकि विकास एवं मरम्मत कार्य शुरू करवाए जा सकें।

पीएम के ‘खेलो इंडिया संवाद’ से कांगड़ा में युवाओं में बढ़ा उत्साह

राहुल वावला | कांगड़ा
समर न्यूज़

कांगड़ा के निफ्ट परिसर में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं, खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से संवाद कर खेलों के विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की तैयारियों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, आधुनिक आधारभूत ढांचे के विस्तार और युवाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में मौजूद खिलाड़ियों और युवाओं ने प्रधानमंत्री के संवाद को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इससे खेलों के प्रति जागरूकता और उत्साह को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं ने खेलों के साथ-साथ देश के प्रति जिम्मेदारी, नशे के खिलाफ अभियान और अन्य सामाजिक विषयों पर भी सवाल और सुझाव रखे। प्रधानमंत्री



के प्रतिनिधि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे कांगड़ा-चंबा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने युवाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं ने खुलकर अपने विचार रखे और खेलों के विकास सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि युवाओं के सुझावों और उनकी अपेक्षाओं को समझकर उन्हें संसद के माध्यम से आगे रखने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. राजीव भारद्वाज ने 'खेलो इंडिया संवाद' के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और 'माई भारत' संगठन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने और देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देते हैं।

कोटखाई में एक हफ्ते में पटरी पर आएगी एलपीजी आपूर्ति, प्रशासन को निर्देश

संजू | शिमला
समर न्यूज़

सेब सीजन के बीच कोटखाई क्षेत्र में रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर सामने आ रही दिक्कतों को सरकार ने गंभीरता से लिया है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने गुस्वारा को संबोधित विभागों और जिला प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को एक सप्ताह के भीतर सामान्य करने के निर्देश दिए।

सेब सीजन के दौरान उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कमी का सामना नहीं करना पड़े और आपूर्ति में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मंत्री ने कोटखाई क्षेत्र की कुछ पंचायतों को

वर्मा, कलबोग क्षेत्र में लगभग 1,200 कनेक्शनशायक हैं। इनमें से करीब 600 उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की जा चुकी है, जबकि लगभग 600 कनेक्शनों का बैकलॉग अभी बाकी है। बैकलॉग को जल्द समाप्त करने के लिए 250 एलपीजी सिलेंडरों की खेप भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

रोहित ठाकुर ने गुम्मा में नई गैस तेजी से कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा कलबोग क्षेत्र में नई गैस एजेंसी स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने बैकलॉग वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर पहुंचाने तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित समय में गैस उपलब्ध

करवाने के निर्देश दिए। खत्रेटी-पुड़ग क्षेत्र में 500 कनेक्शनों की आपूर्ति जारी किए जाने की जानकारी भी दी गई। उन्होंने शेष प्रभावित क्षेत्रों में भी व्यवस्था जल्द बहाल करने को कहा।

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर एक सप्ताह के भीतर समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाएगा। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेहर पंवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौरवजीत, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नरेंद्र कुमार धीमान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एडमिशन फॉर्म से जाति कॉलम हटाने का फैसला ऐतिहासिक: डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

प्रदेश के शिक्षण संस्थाओं के एडमिशन फॉर्म से जाति का कॉलम हटाने की दिशा में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की पहल का वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा ने स्वागत किया है।

उन्होंने इसे सामाजिक समानता और व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में साहसिक एवं ऐतिहासिक फैसला करार दिया।हमीरपुर में पत्रकारों से बातचीत में डॉ. वर्मा ने कहा कि स्कूल और शिक्षण संस्थान बच्चों में समानता, भाईचारे और मानवता की भावना विकसित करने के केंद्र हैं। ऐसे में प्रवेश के समय ही किसी बच्चे की पहचान उसकी जाति से करना



उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि एडमिशन फॉर्म से जाति का कॉलम हटाने की पहल आने वाली पीढ़ियों में समानता की सोच को मजबूत करने वाला कदम है।

डॉ. वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने वर्षों से चली आ रही व्यवस्था पर नए दृष्टिकोण से विचार करने का साहस दिखाया है। समाज को जातिगत आधार पर बांटने के बजाय प्रत्येक बच्चे को सबसे पहले एक समान नागरिक के रूप में देखने की सोच आधुनिक और मजबूत समाज की नींव रखेगी। उन्होंने कहा

कि यह निर्णय मुख्यमंत्री की समानता और व्यवस्था परिवर्तन की सोच को धरातल पर उतारने वाला महत्वपूर्ण कदम है।वहीं, भाजपा नेताओं द्वारा विधानसभा में मुख्यमंत्री के खिलाफ नो-प्रॉक्लेज मोशन लाने के मुद्दे पर डॉ. वर्मा ने भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के मुद्दे को लेकर भाजपा जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' देश की आजादी के आंदोलन से जुड़ी वह भावना है, जिसके लिए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपना बलिदान दिया। ऐसे संवेदनशील विषय पर राजनीति करने के बजाय जनहित के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

आपदा

नेपाल त्रासदी पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने जताया दुख

संजू | शिमला
समर न्यूज़

नेपाल में हुई भीषण प्राकृतिक त्रासदी पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में आई आपदा बेहद गंभीर है और सुर्खों के अनुसार 133 भारतीय नागरिकों के लापता होने की सूचना सामने आई है।

हालांकि, हिमाचल प्रदेश के किसी नागरिक के लापता होने को लेकर अभी तक केंद्र सरकार की ओर से उन्हें कोई आधिकारिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी आपदा में बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना बेहद पीड़ादायक और आघात पहुंचाने वाला है।मुख्यमंत्री

ने नेपाल की त्रासदी को जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव से जोड़ते हुए कहा कि मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2023-24 में हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को लेकर चिंता जताई थी। उनका कहना है कि आने वाले समय में इसका असर हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखंड और पूरे हिमालयी क्षेत्र में देखने को मिल सकता है।

नेपाल में हुई त्रासदी के बाद हिमाचल प्रदेश विधानसभा में दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। हिमालयी राज्यों में भौगोलिक



परिस्थितियां समान होने के कारण एक क्षेत्र में सामने आने वाली घटनाएं दूसरे क्षेत्रों के लिए भी चेतावनी का संकेत हो सकती हैं।

सीएम सुक्खू ने कहा कि वर्ष 2023-24 की आपदाओं के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन को लेकर लगातार बैठकें की हैं। तेज बारिश, बाढ़ और नदियों में अचानक बाढ़ जैसी परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन को समय रहते अलर्ट जारी करने के निर्देश दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश में अपेक्षाकृत कम बारिश हुई है,

लेकिन जिन क्षेत्रों में तेज बारिश या बाढ़ल फटने की घटनाएं होती हैं, वहां स्थानीय प्रशासन को पहले से सतर्क किया जाता है, ताकि जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन व लगातार बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव का केवल हिमाचल या भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्षेत्र में व्यापक अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हिमाचल में वर्ष 2023-24 की आपदाओं के बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात कर आईआईटी, पर्यावरण विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के माध्यम से विस्तृत अध्ययन करवाने की मांग की थी। इसके बाद विशेषज्ञों की एक टीम हिमाचल प्रदेश में अध्ययन के लिए पहुंची थी। सुक्खू

ने कहा कि उनके अनुभव के आधार पर बाढ़ल फटने की घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन एक बड़ा कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। पहाड़ों के कटाव के बाद कुछ समय तक भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं और परिस्थितियों को सामान्य होने में समय लगता है।

प्रधानमंत्री की ओर से घोषित 1500 करोड़ रुपये की राहत राशि के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी प्रक्रिया फिलहाल दिल्ली स्तर पर चल रही है। जब तक केंद्र सरकार की ओर से औपचारिक मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक हिमाचल प्रदेश यह नहीं मान सकता कि राहत की 1500 करोड़ रुपये की राशि राज्य को मिल चुकी है।

अवैध निर्माण बेरोकटोक जारी, सुरक्षा मानकों की हो रही खुलेआम अनदेखी

पांचवीं मंजिल पर लैंटर, चार फीट तक निकले छज्जे; बलौंगी की एकता कॉलोनी में निर्माण से राहगीर परेशान



■ बलौंगी में अवैध पीजी निर्माण का सिलसिला जारी, दशमेश नगर कॉलोनी में हुआ हादसा; नगर निगम और गमाडा की खींचतान में जिम्मेदारी से बच रहे अधिकारी

समर न्यूज | मोहाली

बलौंगी की एकता कॉलोनी में निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार को सामने आई तस्वीर में एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर लैंटर डाला जाता हुआ दिखाई दे रहा है। हैरानी की बात यह है कि भवन में सड़क की ओर करीब चार-चार फीट तक छज्जे बाहर निकले हुए नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, कॉलोनी में लगातार ऊंची इमारतों का निर्माण हो रहा है। निर्माण के दौरान सड़क के आसपास जगह कम होने के कारण राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि ऊंचाई पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान नीचे से गुजरने वालों की सुरक्षा भी चिंता का विषय बनी हुई है।

■ सड़क की तरफ बढ़ता निर्माण बना परेशानी: तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि पांचवीं मंजिल के लैंटर का काम चल रहा

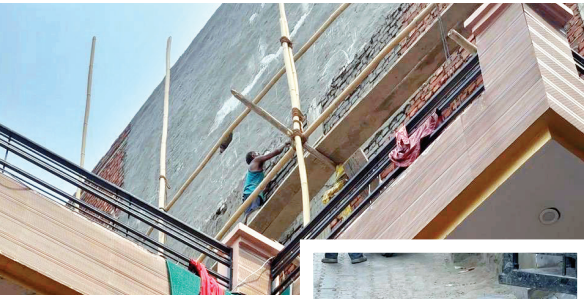
■ प्रशासन की कार्रवाई पर भी सवाल

एकता कॉलोनी में लगातार बढ़ती बहुमंजिला इमारतों और पीजी को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग मौके पर पहुंचकर निर्माण की जांच करे और यह स्पष्ट करे कि पांचवीं मंजिल तथा बाहर निकले छज्जों के लिए मंजूरी है या नहीं। यदि निर्माण नियमों के विपरीत है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

है और इमारत का हिस्सा सड़क की ओर काफी बाहर तक निकला हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे और निर्धारित बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक किया जा रहा है।

■ लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल: ऊंची मंजिल पर लैंटर डालने के दौरान निर्माण सामग्री नीचे गिरने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में सड़क से गुजरने वाले राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम होना जरूरी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग को किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते जांच और कार्रवाई करनी चाहिए।

पांचवीं मंजिल से गिरा तसला, बाल-बाल बचा राहगीर



मोहाली बलौंगी क्षेत्र में अवैध रूप से पीजी और बहुमंजिला इमारतों के निर्माण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई के अभाव में निर्माणाधीन इमारतों में सुरक्षा मानकों की भी खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं।

ताजा मामला दशमेश नगर कॉलोनी, बलौंगी का है, जहां मॉन्टेसरी स्कूल के सामने निर्माणाधीन इमारत की पांचवीं मंजिल से काम कर रहे मजदूरों के हाथ से एक तसला नीचे गिर गया। गनीमत रही कि इसी दौरान वहां से मोटरसाइकिल पर गुजर रहा दिनेश, जो खुद बिलौंगी का रहने वाला है, बाल-बाल बच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तसला पांचवीं मंजिल से नीचे गिरा। यदि यह राहगीर के थोड़ा और करीब गिरता तो गंभीर हादसा हो सकता था। सड़क पर आने-जाने वाले लोगों और आसपास रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

■ हादसा टला, लेकिन सवाल कायम: दिनेश के बाल-बाल बचने के बाद स्थानीय लोगों में यह चर्चा है कि आखिर प्रशासन किसी बड़े



हादस का इंतजार क्या कर रहा है। यदि तसला मोटरसाइकिल सवार के सिर या शरीर पर गिर जाता तो गंभीर चोट या जान का नुकसान भी हो सकता था। ऐसे में अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस घटना को गंभीरता से लेते हुए निर्माण स्थल की जांच करता है या फिर मामला भी नगर निगम और गमाडा की आपसी जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया में उलझकर रह जाएगा।

■ निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजामों पर सवाल: जिस स्थान पर यह घटना हुई, वहां बहुमंजिला निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में निर्माण सामग्री के नीचे गिरने से राहगीरों और आसपास के लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। सवाल यह है कि क्या निर्माण स्थल पर जालियां, सुरक्षा कवर या अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं? यदि नहीं, तो संबंधित विभाग ने अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की?

निगम और गमाडा के बीच जिम्मेदारी की खींचतान

बलौंगी में अवैध निर्माण को लेकर सबसे बड़ा सवाल संबंधित विभागों की जाती है तो नगर निगम की ओर से इसे गमाडा के अधिकार क्षेत्र का मामला बताया जाता है, जबकि दूसरी ओर गमाडा की तरफ से नगर निगम की जिम्मेदारी होने की बात कही जाती है। इसी आपसी खींचतान के बीच इलाके में निर्माण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। निर्माणाधीन इमारतों की जांच और कार्रवाई की जाए तो न केवल अवैध निर्माण पर रोक लग सकती है, बल्कि किसी बड़े हादसे को भी टाला जा सकता है।

सिलाई का हुनर बना महिलाओं के लिए स्वरोजगार की राह

समर न्यूज | मोहाली

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), जिला मोहाली की ओर से कौशल विकास योजना के तहत आयोजित 31 दिवसीय टेलरिंग एवं कटिंग प्रशिक्षण कोर्स का समापन हो गया। आरसेटी मोहाली के मुख्य कार्यालय में आयोजित समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 31 महिलाओं एवं युवतियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

समारोह में पीएनबी सर्किल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक बिस्वोजीत बिस्वाल मुख्य अतिथि रहे। गुलशन वर्मा, मुख्य प्रबंधक, पीएनबी सर्किल कार्यालय मोहाली, अमनदीप सिंह, निदेशक आरसेटी मोहाली, वरिष्ठ प्रबंधक सुमित्रा नागर और संस्थान का स्टॉफ उपस्थित रहा।

खाद-पीने की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार: गिल

गुरशरण सिंह | मोहाली

समर न्यूज

मोहाली विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी एवं राजीव गांधी पंचायती राज संगठन कांग्रेस के जिला मोहाली अध्यक्ष पहलवान अमरजीत सिंह गिल ने चीनी, सरसों के तेल और रसोई की अन्य वस्तुओं की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब एवं आम परिवारों पर पड़ रहा है।

पहलवान अमरजीत सिंह गिल ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश के कुछ चुनिंदा कॉर्पोरेट घरानों और राजनीतिक नेताओं को चीनी मिलों पर कब्जा करने का अवसर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यही लोग नीतियों को प्रभावित कर रहे हैं, जिसके चलते चीनी के साथ-साथ सरसों का तेल और रसोई में इस्तेमाल होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी आम लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। उन्होंने केंद्र

आरबीयू ने विद्यार्थियों के लिए किया 'खेलो इंडिया संवाद' का आयोजन

सागर पाहवा | मोहाली

समर न्यूज

रयात बाहरा यूनिवर्सिटी द्वारा युवाओं में 'खेलों, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'खेलो इंडिया संवाद—खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित किया और उन्हें खेलों तथा शारीरिक फिटनेस को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. (मेजर) ए.एस. चहल, निदेशक, एनसीसी एवं एनएसएस कोऑर्डिनेटर ने बताया कि यह कार्यक्रम युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अधीन देशव्यापी युवा भागीदारी पहल 'मेरा युवा भारत' के तहत आयोजित किया गया। इस



अवसर पर मोहित कुमार सैनी, डिप्टी डायरेक्टर, एमवाई भारत, रakesh शर्मा, राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अनमोल तथा स्टेट अवार्डी अनन्या बंसल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी की एनसीसी और एनएसएस इकाइयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अलावा रयात बाहरा इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। विद्यार्थियों को खेलों और शारीरिक गतिविधियों को अपने दैनिक

जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। खेल युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम वर्क, लगन और खेल भावना जैसे गुणों का विकास होता है। इसके अलावा, खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

खैर के 325 पेड़ों की कटाई को लेकर वन विभाग घिरा

शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का आरोप

समर न्यूज | मोहाली

खैर के पेड़ों की कथित कटाई को लेकर स्थानीय लोगों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस संबंध में लिखित शिकायत के माध्यम से अधिकारियों से कथित अवैध कटाई की जांच कर इसे तत्काल रोकने की मांग की है।

मोहाली के फेज-2 में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गांव तारापुर के निवासी भूपिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और रामजी दास ने दावा किया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में खैर के पेड़ों की कटाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जंगलत कमेटी की ओर से रेंज ऑफिसर शिशावां तथा जिला फॉरेस्ट ऑफिसर अवनित सिंह सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित रूप से जानकारी दी



गई थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कथित कटाई की जांच करने के बजाय गांव में गठित फॉरेस्ट प्रोटेक्शन कमेटी तथा इससे जुड़े लोगों के खिलाफ ही थाना माजरी में मामला दर्ज करवा दिया गया।

उन्होंने बताया कि गांव के सरपंच राजेश कुमार, कमेटी प्रधान गुरचरण सिंह, बिक्रमजीत सिंह, दास राम, माखन सिंह और वरिंदरपाल सिंह के खिलाफ महिला गाई बिपनजीत कौर की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज किया गया है। मांग है कि मौके की उच्चस्तरीय जांच करवाकर काटे गए पेड़ों की संख्या, कटाई की अनुमति, सरकारी रिकॉर्ड और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाए। जांच में पेड़ों की कटाई बिना अनुमति के पाई जाती है तो कार्रवाई की जाए।

एजेंडा पास कराने के नाम पर लेनदेन का आरोप आप ने डीजीपी से की एफआईआर की मांग

मौनिका रावत | चंडीगढ़

समर न्यूज

नगर निगम में एजेंडा पास कराने के नाम पर कथित तौर पर पैसों के लेनदेन के मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को आप चंडीगढ़ के अध्यक्ष विजय पाल सिंह के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से मुलाकात कर शिकायत सौंपी।

पार्टी ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में आप चंडीगढ़ के अध्यक्ष विजय पाल सिंह, कोर कमेटी चेयरमैन प्रेम गर्ग, पार्टी ऑब्स्र्वर विनीत वर्मा, पूर्व मेयर कुलदीप धाल्लोर, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष हरदीप बुटेरला और मुख्य प्रवक्ता योगेश दीपरा शामिल

रहे। आप नेताओं ने शिकायत में सेक्टर-40 से जुड़े 25 लाख रुपये के मामले को प्रयुक्ता से उठाया। पार्टी के अनुसार शनिवार शाम एक व्यावसायिक इमारत के बाहर हुए विवाद के दौरान मनीमाजरा निवासी आईटी प्रोफेशनल नारायण ओझा ने एजेंडा पास कराने के लिए कथित तौर पर दिए गए 25 लाख रुपये वापस करने की मांग की थी।

शिकायत में भाजपा पार्षद गुरबक्श रावत के पति की ओर से कथित तौर पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें 25 लाख रुपये से पांच लाख रुपये को उनका हिस्सा बताया गया था। आप ने पूरे मामले में लेनदेन से जुड़े सभी लोगों की भूमिका की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा पार्टी ने 80 लाख रुपये के कथित लेनदेन से

संबंधित वायरल ऑडियो का मामला भी डीजीपी के सामने उठाया। आप नेताओं ने ऑडियो की मूल रिकॉर्डिंग सुरक्षित कराकर उसकी फॉरेंसिक जांच कराने की मांग की।

पार्टी के मुताबिक ऑडियो में कथित लेनदेन, मार्केट एसोसिएशन, मारपीट और पुलिस अधिकारियों से जुड़े कथित संबंधों की भी गहन जांच होनी चाहिए। आप ने निष्पक्ष जांच के लिए डीजीपी की सीधी निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर जांच विजिलेंस विभाग या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी जानी चाहिए। पार्टी ने सेक्टर-40 की सीसीटीवी फुटेज, संबंधित लोगों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), मोबाइल टावर लोकेशन और वायरल ऑडियो की मूल फाइल सुरक्षित कराने की मांग की है।

पिंजौर में महिला की गला काटकर हत्या पति 2 घंटे में गिरफ्तार

मुकुल शर्मा | पंचकूला

समर न्यूज

पिंजौर के अब्दुलापुर कॉलोनी में एक बुटीक के अंदर महिला की गला काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पंचकूला पुलिस ने मामले को तेजी से सुलझाते

हुए वारदात के महज दो घंटे के भीतर मुक्ता के पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल धारदार हथियार भी बरामद किया है।

आरोपी से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह के अनुसार, 26 अगस्त को पिंजौर के अब्दुलापुर कॉलोनी स्थित एक बुटीक में एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली थी।

डेराबस्सी माल विभाग की कार्यप्रणाली फिर से सवालें के घेरे में

■ सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान, गमाडा की टीम ने मौके का दौरा कर जांच शुरू की

■ 10 एकड़ में काटी जा रही अवैध कॉलोनी

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी

समर न्यूज



बेहड़ा रोड पर थापर यूनिवर्सिटी के पास काटी जा रही कॉलोनी में मिट्टी डालकर सड़क बनाने का चल रहा काम।

के दौरान जमीन की किस्म और सरकारी फीस को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यदि एक एकड़ जमीन को कृषि भूमि दर्शाकर रजिस्ट्री करवाई जाए तो करीब 3.30 लाख रुपये स्टॉप ड्यूटी और 1.30 लाख रुपये सरकारी फीस बनती है। यानी कुल राशि करीब 4.60 लाख रुपये होती

है। वहीं, इसी जमीन को इंडस्ट्रियल जोन के अनुसार दर्ज करने पर 6 प्रतिशत के हिसाब से स्टॉप ड्यूटी करीब 14.64 लाख रुपये और सरकारी फीस करीब 5.60 लाख रुपये बनती है। इस तरह कुल राशि करीब 19.75 लाख रुपये तक पहुंचती है। दोनों दरों में करीब 15.15 लाख रुपये का अंतर है।

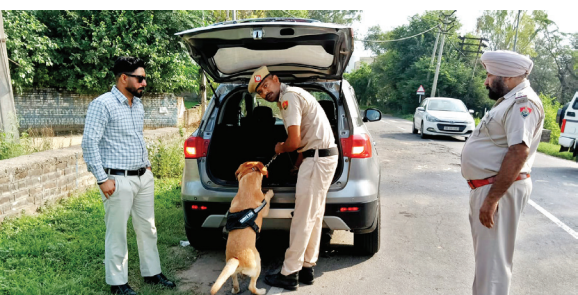
सुराग रोमियो, बोल्ट व रैम्बो ने तीन मामलों में हेरोइन, चिद्दा व गांजा बरामद किया नारको डॉग्स का कमाल, नशे की खेप का लगाया सुराग

मुकुल शर्मा | चंडीगढ़

समर न्यूज

नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हिराण यूनिट के एंटी नारकोटिक्स सेल स्टॉफ ने प्रशिक्षित नारको डॉग्स की मदद से तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में नशीले पदार्थ बरामद किए। नारको डॉग्स रोमियो (एचके-131), बोल्ट (एचके-132) और रैम्बो (एचके-133) ने अपनी विशेष सूंघने की क्षमता के जरिए छिपाकर रखे गए नशीले पदार्थों का पता लगाने में इन मह भूमिका निभाई।

इन तीन कार्रवाइयों में कुल 53.930 ग्राम हेरोइन/चिद्दा और 125 ग्राम गांजा बरामद किया गया। बरामदगी के संबंध में संबंधित थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले



दर्ज किए गए हैं। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि प्रदेश पुलिस नशे के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई कर रही है।

नशे की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस आधारित पुलिसिंग और प्रशिक्षित संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारको डॉग्स की विशेष क्षमताएं नशीले

आधुनिक तकनीक के साथ प्रशिक्षित नारको डॉग्स की क्षमताओं का भी बेहतर इस्तेमाल कर रही है।

उन्होंने कहा कि रोमियो, बोल्ट और रैम्बो जैसे प्रशिक्षित नारको डॉग्स छिपाकर रखे गए नशीले पदार्थों का पता लगाने में पुलिस की महत्वपूर्ण मदद कर रहे हैं। इंटेलिजेंस आधारित कार्रवाई, निरंतर निगरानी और नारको डॉग्स की सहायता से तलाशी अभियान आगे भी जारी रहेगा।

12 अगस्त को एनसी हिंसा यूनिट ने नारको डॉग्स एचके-131 रोमियो और एचके-132 बोल्ट की सहायता से कार्रवाई की। तलाशी के दौरान 125 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में एफआईआर नंबर 273/2026, धारा 20(बी)(2)ए एनडीपीएस एक्ट, थाना अर्बन एस्टेट, हिसार में मामला दर्ज किया गया।

गुरशरण सिंह | मोहाली

समर न्यूज

शिरोमणि अकाली दल हलका मोहाली के मुख्य सेवादार एवं जिला प्रधान परविंदर सिंह सोहाना ने आम आदमी पार्टी के श्री आनंदपुर साहिब से सांसद मलविंदर सिंह कंग द्वारा गमाडा की कार्यप्रणाली पर उठाए गए सवालों के बाद संबंधित मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

सोहाना ने कहा कि जब सत्तारूढ़ पार्टी का अपना सांसद ही विभाग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर सवाल उठा रहा है तो सरकार को मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच करवाने तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग



की। सोहाना ने कहा कि सैणी माजरा में कथित चयनात्मक कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई के क्या मापदंड हैं और क्या सभी मामलों में समान नियम लागू किए जा रहे हैं। सोहाना ने कहा कि सांसद मलविंदर सिंह कंग को केवल बयान देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने ऐलान के मुताबिक गमाडा कार्यालय के सामने धरना देकर निष्पक्ष जांच के लिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए।

ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी: मोदी

खेलो इंडिया संवाद में युवाओं और खिलाड़ियों से जुड़े प्रधानमंत्री; 2036 ओलंपिक के लिए वैज्ञानिक तरीके से प्रतिभा तलाशने पर जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को खेलों में नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ओलंपिक में देश की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने, जमीनी स्तर पर सुविधाएं बढ़ाने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शुरुआती दौर से ही बेहतर प्रशिक्षण देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने यह बात 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ' कार्यक्रम में युवाओं और उभरते खिलाड़ियों से संवाद के दौरान कही। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर किया गया।

प्रधानमंत्री ने 2036 ओलंपिक की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक तरीके से खेल प्रतिभाओं की पहचान और खिलाड़ियों के दीर्घकालिक विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा चयन की



प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, खेल विज्ञान तथा प्रतियोगिताओं का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। सरकार का लक्ष्य जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय पदक तक खिलाड़ियों के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार करना है। 'खेलो इंडिया संवाद' में देशभर के 1,500 से अधिक स्थानों पर युवा, खिलाड़ी और शिक्षण संस्थान जुड़े। आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, एम्स, प्रमुख मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों के युवा भी इस पहल का हिस्सा बने। कार्यक्रम में खेलों के विकास के साथ युवा नेतृत्व, फिटनेस, स्वयंसेवा



और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। सरकार ने खेलों को केवल पदक जीतने तक सीमित न रखते हुए युवाओं के व्यक्तित्व विकास और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने पर भी जोर दिया। संवाद के दौरान जमीनी खेल सुविधाओं, बेहतर कोचिंग और प्रतियोगिता के अवसर बढ़ाने को प्रमुख मुद्दों में शामिल किया गया।

■ **दिग्गज खिलाड़ियों ने साझा किए अनुभव:** कार्यक्रम में साइना नेहवाल, पीटी उषा, दीपा करमाकर, गगन नारंग, पीआर श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम

मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू समेत कई प्रमुख खिलाड़ी युवाओं से जुड़े। उन्होंने अपने खेल सफर, चुनौतियों और असफलताओं से मिले अनुभव साझा किए और युवा खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। संवाद में खेलों को नशामुक्त युवा अभियान से जोड़ने पर भी जोर दिया गया।

सरकार के अनुसार खेल और युवा नेटवर्क के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने की योजना है। कार्यक्रम में युवाओं को स्वयंसेवा और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए 'माई भारत' मंच से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

■ **खेल बजट और बुनियादी ढांचा :** केंद्र सरकार ने जुलाई में 2026-27 से 2030-31 तक के लिए संशोधित खेलो इंडिया योजना और राष्ट्रीय खेल महासंधों के लिए कुल 36,441 करोड़ रुपये के संयुक्त परिव्यय को मंजूरी दी

थी। योजना में स्कूल और गांव के खेल मैदानों से लेकर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण तथा ओलंपिक पोडियम तक खिलाड़ियों के लिए बेहतर मार्ग तैयार करने पर जोर है। सरकार का कहना है कि भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए केवल बुनियादी ढांचे में निवेश पर्याप्त नहीं है। खिलाड़ियों की पहचान, प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, खेल विज्ञान, नियमित प्रतियोगिताओं और युवाओं की व्यापक भागीदारी को साथ लेकर चलना होगा। खेलो इंडिया संवाद को इसी दिशा में युवाओं और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद का मंच बताया गया है।

■ **2036 पर नजर:** भारत की दीर्घकालिक खेल रणनीति में 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं को तैयार करना प्रमुख लक्ष्य है। इसके लिए कम उम्र में प्रतिभा पहचान, पारदर्शी चयन और लंबे समय तक वैज्ञानिक प्रशिक्षण की व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

कानपुर में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त पायलट और को-पायलट की गई जान

एजेंसी। कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार पायलट और प्रशिक्षु की मौत हो गई। विमान ने चक्रेरी स्थित गर्ग एविएशन प्रशिक्षण केंद्र से सुबह करीब 11:30 बजे उड़ान भरी थी। लगभग 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास नाथपुरवा गांव में विमान एक करीब पांच फीट ऊंची दीवार से टकराकर खेत में जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान हादसे से कुछ समय पहले करीब 200 से 250 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इसी दौरान वह हवा में असंतुलित हुआ और क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गया। जमीन पर गिरते ही विमान कई हिस्सों में टूट गया और उसके पुर्जे आसपास बिखर गए। हादसे के बाद विमान में आग नहीं लगी।

56 हजार करोड़ से दिल्ली के जल सीवर नेटवर्क का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया 2,500 करोड़ रुपये का एडीबी ऋण मंजूर; वजीराबाद जलशोधन संयंत्र के कमांड क्षेत्र में 1,740 करोड़ के दो पैकेज

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी की पुरानी जल, सीवर और जल निकासी व्यवस्था को बदलने के लिए 56 हजार करोड़ रुपये के व्यापक रोडमैप पर काम शुरू किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल मौजूदा समस्याओं का अस्थायी समाधान करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए आधुनिक और टिकाऊ जल-सीवर नेटवर्क तैयार करना है।

इसके तहत जलापूर्ति, सीवर व्यवस्था, जल निकासी और जलभराव की समस्या को एक साथ संबोधित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, केंद्र के वित्त मंत्रालय के माध्यम से एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 2,500 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर हुआ है। इस राशि



से होने वाले कार्यों में 70 प्रतिशत वित्त एडीबी और 30 प्रतिशत दिल्ली सरकार उपलब्ध कराएगी। सरकार का कहना है कि यह परियोजना राजधानी के पुराने बुनियादी ढांचे को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वजीराबाद जलशोधन संयंत्र के कमांड क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के लिए दो पैकेज मंजूर किए गए हैं। पहले पैकेज की लागत करीब 805 करोड़ रुपये और दूसरे की 935 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के जरिए पुराने नेटवर्क में सुधार, पाइपलाइन व्यवस्था को मजबूत करने और लोगों तक पानी की आपूर्ति अधिक प्रभावी बनाने पर जोर रहेगा।

फिल्लौर में कर्मचारियों का विशाल रोष मार्च सरकार को संघर्ष तेज करने की चेतावनी

शुभम शर्मा | फिल्लौर समर न्यूज़

पंजाब मुलाजिम एवं पेंशनर्स सांझा फ्रंट तथा सांझा मुलाजिम मंच पर आधारित संयुक्त तालमेल कमिटी के आह्वान पर तहसील फिल्लौर के शिक्षकों और कर्मचारियों ने सामूहिक छुट्टी लेकर सफल हड़ताल की। इसके बाद कर्मचारियों ने फिल्लौर में विशाल रोष मार्च निकालकर पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। मार्च में विभिन्न कर्मचारी संगठनों से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया।



प्रदर्शन की संयुक्त रूप से अध्यक्षता हकमल सिंह, तारा सिंह बीका, सुखविंदर राम, प्रेम पाल, कृष्णा देवी, राणो शोकरां, सुखविंदर सिंह, धर्मिंदर कुमार, जीवन सैदेवाल, हरमेश राही, गोपाल रावत, राकेश कुमार और सुखविंदर कौर सहित अन्य नेताओं ने की। इस मौके पर राज्य स्तरीय नेताओं करनैल फिल्लौर, सुरिंदर कुमार

पूआरी, अवतार महिसमपुर, कुलदीप वालिया और संदीप राजोवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने साढ़े चार वर्षों के दौरान कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद 18 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करने में सरकार टालमटोल कर रही है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर तत्काल ध्यान नहीं दिया तो संघर्ष को और तेज किया जाएगा तथा आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार को इसका जवाब दिया

संत हजारों सिंह जी की सालाना बरसी श्रद्धा एवं उत्साह से मनाई



शुभम शर्मा | फिल्लौर समर न्यूज़

संत हजारों सिंह अकाली जी की सालाना बरसी हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्री अखंड पाठ साहिब जी के भोग डाले गए। इसके उपरांत श्री दरबार साहिब अमृतसर में पहुंचकर मां बगलामुखी सिंह ने गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने संत हजारों सिंह अकाली जी के जीवन और धार्मिक एवं सामाजिक सेवाओं को याद किया। उन्होंने बताया कि राजा साहिब

के निर्देशानुसार संत हजारों सिंह अकाली जी गांव रसूलपुर पहुंचे और वहां रहकर संगत की लंबे समय तक सेवा की। उन्होंने विभिन्न मोर्चों में भी भाग लेकर अपनी सेवाएं निभाईं। वक्ताओं ने कहा कि जयदेवार महां सिंह द्वारा संत जी की परंपरा और सेवा को तन-मन-धन से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कारण उनका परिवार धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में लगातार सेवा कार्यों में सक्रिय है। बरसी समारोह में पूर्व विधायक बलदेव सिंह खैहरा, पूर्व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी सदस्य हरजिंदर सिंह लल्लिखां, कुलदीप सिंह बाजवा, मनजीत सिंह बिल्ला, भूपिंदर सिंह मौजूद थे।

मां बगलामुखी धाम में सुख-समृद्धि यज्ञ का भव्य आयोजन

नील कमल मोन्। लुधियाना समर न्यूज़

पखोवाल रोड स्थित सिंहला एन्क्लेव में प्रसिद्ध मां बगलामुखी धाम में साप्ताहिक चौकी के दौरान सुख-समृद्धि यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य सेवादार महंत प्रवीण चौधरी की देखरेख में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां बगलामुखी का आशीर्वाद प्राप्त किया और श्रद्धापूर्वक यज्ञ में हिस्सा लिया। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं आस्था के साथ यज्ञ में आहुतियां डालते हुए सर्वजन के कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय



एवं धार्मिक वातावरण बना रहा। साप्ताहिक चौकी में लुधियाना के अलावा आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने मां बगलामुखी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा भजन-कीर्तन और माता का गुणगान कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं संभाली और पूरे कार्यक्रम



में सेवा भाव देखने को मिला। मंदिर प्रबंधन की ओर से बताया गया कि साप्ताहिक चौकी के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक गतिविधियों से जोड़ने तथा समाज में सेवा, श्रद्धा और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रबंधन ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं सेवादारों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने मां बगलामुखी से सभी परिवारों की सुख-समृद्धि, शांति और समाज की खुशहाली की प्रार्थना की।

गोगा मैड़ी मंदिर लुधियाना से राजस्थान के बागड़ के लिए बस यात्रा रवाना



नील कमल मोन्। लुधियाना समर न्यूज़

लुधियाना के दुगरी रोड स्थित गोगा मैड़ी मंदिर से श्रद्धालुओं की एक विशेष बस यात्रा राजस्थान के बागड़ धाम के लिए श्रद्धापूर्वक रवाना हुई। यह बस यात्रा भक्त सुरिंदर कल्याण की अगुवाई में आयोजित की गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और धार्मिक श्रद्धा देखने को मिली।

बस यात्रा के रवाना होने से पहले मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और मंगलमय यात्रा के लिए प्रार्थना की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने धार्मिक जयकारों के साथ राजस्थान के

बागड़ धाम की ओर प्रस्थान किया। इस अवसर पर बिल्लू बाबा, राजकुमार बाबा, सोनू तीशावर, संदीप सोदाई, समीर कल्याण, विनोद भुंभक, संजीव केशला, इंद्र बाबा, विनोद बिडलान, अशोक और जनेसर गहलौत सहित अन्य श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की धार्मिक यात्राओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के साथ-साथ आपसी भाईचारे और धार्मिक आस्था को मजबूत करना है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बागड़ धाम पहुंचकर धार्मिक स्थलों के दर्शन करने तथा पूजा-अर्चना करने के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

नाइपर के पास कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

समर न्यूज़ | मोहाली।

सेक्टर-67 स्थित नाइपर के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक उसे उपचार के लिए जीएमसीएच-32 चंडीगढ़ लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान दीपक नारायण सिंह (42) के रूप में हुई है। मृतक के बेटे रवि रंजन कुमार सिंह निवासी खुदा अली शेर, चंडीगढ़ ने बताया कि उसके पिता गुप-4 सिक्योरिटी कंपनी के माध्यम से आईएसबी सेक्टर-81 मोहाली में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। 22 अगस्त की रात 10 बजे से 23 अगस्त सुबह छह बजे तक उनकी ड्यूटी थी। रवि के मुताबिक सुबह साढ़े छह बजे जब उसके पिता सेक्टर-66 से सेक्टर-67 की ओर नाइपर के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आई कार ने टक्कर मार दी।

फर्जी इमिग्रेशन ऑफिस चलाकर ठगी के मामले में तीन गिरफ्तार

सागर पाहवा | मोहाली समर न्यूज़

फेज-11 में फर्जी इमिग्रेशन ऑफिस चलाकर विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना फेज-11 पुलिस ने गुजराती परिवार की शिकायत पर दर्ज केस में यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनदीप सिंह निवासी कुराली, पंकज कुमार निवासी हिमाचल प्रदेश और प्रशांत कुमार निवासी मटौर के रूप में हुई है। तीनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी 'ब्राइट वे इमिग्रेशन' के नाम से लोगों को विदेश भेजने का झांसा देते थे। शिकायतकर्ता रोनक बारोट ने आरोप लगाया था कि कंपनी की मालिक रुकसार ने उसे और उसकी बहन ज्ञान बारोट को न्यूजीलैंड भेजने के

नाम पर करीब 3.50 लाख रुपये लिए थे। बाद में परिवार को ठगी का पता चला तो उन्होंने रकम वापस मांगी। आरोप है कि इस पर उनके साथ बदतमीजी की गई और बाद में आरोपियों ने अपने फोन बंद कर लिए।

आठ लोगों के खिलाफ दर्ज है केस डीएसपी सिटी-2 हरसिमरन सिंह बल के अनुसार मामले में लवप्रीत सिंह, हरमन सिंह, पंकज कुमार मनदीप सिंह, हर्षात कौर, रमनदीप, अमनदीप कौर, ममता, सरबजीत कौर, पूजा रानी, कृष्ण, जसविंदर कौर, गैना रानी, राकेश कुमार, नीरू शर्मा, सुनारिका कोल, कैपस मैनेजर परमजीत सिंह, संतोख सिंह, मंदीप कौर, राजवीर कौर, गुरदीप सिंह, बलराज, कंचन, निर्मल कौर, विजय कुमार, बिक्कर सिंह, मोटा सिंह, तीरथ राम आदि मौजूद थे।

पुलिस रिमांड के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से ठगी की रकम के लेन-देन, कंपनी से जुड़े दस्तावेजों और अन्य संभावित पीड़ितों के बारे में पूछताछ कर रही है।

आध्यात्मिकता गुरु रविदास ने 6 सदियों पहले जातिगत भेदभाव के खिलाफ उठाई थी आवाज : सौंद

गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व को समर्पित राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित

समर न्यूज़ | मोहाली

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित पंजाब सरकार के सालभर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सीजीसी यूनिवर्सिटी, इज़ेन्डी में आठवां राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले, बिजली, ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मंत्री सौंद ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने सदियों पहले ही जुलूम और जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाते हुए समानता, न्याय और मानव



सम्मान का संदेश दिया था। उन्होंने विद्यार्थियों से लालच से दूर रहने, अपनी जरूरतों तक सीमित रहने और सार्थक जीवन जीने की अपील की। उन्होंने युवाओं को अच्छी किताबें पढ़ने तथा आध्यात्मिक और मानवीय मूल्यों को समझने के लिए प्रेरित किया। सौंद ने कहा कि पंजाब सरकार युवाओं को नशे से

रुपये की लागत से श्री गुरु रविदास जी बाणी अध्ययन केंद्र बनाया जा रहा है। इसके लिए जमीन खरीदने पर 11 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 650वें प्रकाश पर्व से जुड़े सालभर के कार्यक्रमों के लिए सरकार ने शुरुआती तौर पर 100 करोड़ रुपये का बजट रखा है। ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत सतविंदर हीरा ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने मेहनत, समानता और सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की 'बेममपुरा' की संकल्पना ऐसे समाज का आदर्श प्रस्तुत करती है, जहां हर व्यक्ति जाति और रंग के भेदभाव से मुक्त होकर सम्मान के साथ जीवन जी सके।

शिकायत पर शिकायत, फिर भी ठेकेदार पर एक्शन नहीं, वार्ड-83 की पार्श्व मोनिका जग्गी 11 महीने से उठा रही मुद्दा

लापरवाही: ट्यूबवेलों की मरम्मत में देरी के बावजूद नगर निगम के अधिकारियों ने नहीं लगाया जुर्माना

सितंबर 2025 से अगस्त 2026

तक पार्श्व ने उठाया मामला

लक्की मेहता | लुधियाना

समर न्यूज़

नगर निगम के ट्यूबवेलों की मरम्मत और रखरखाव को लेकर निगम अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। वार्ड नंबर 83 की पार्श्व मोनिका देविंदर जग्गी पिछले करीब 11 महीने से खराब ट्यूबवेलों और तय समय में मरम्मत न करने वाले ठेकेदार का मामला लगातार उठा रही हैं।

पार्श्व ने निगम कमिश्नर को तीन अलग-अलग मौकों पर पत्र लिखकर ठेकेदार पर पेनल्टी लगाने की मांग की, लेकिन उनके मुताबिक अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मामला पहली बार 11 सितंबर 2025 को उठाया गया था। निगम के एसडीओ (ओएंडएम), जोन-ए1 को भेजे पत्र में पार्श्व ने आरोप लगाया कि वार्ड के ट्यूबवेल खराब



होने के बाद ठेकेदार समझौते में तय समय के भीतर उनकी मरम्मत नहीं कर रहा। इसका सीधा असर इलाके की पेयजल व्यवस्था पर पड़ रहा है।

■ **कहीं 48 घंटे, कहीं 50 घंटे... और एक ट्यूबवेल तो चालू ही नहीं हुआ:** पार्श्व के पत्र के अनुसार शमशान घाट ट्यूबवेल की खराबी 24 अगस्त 2025 को दर्ज की गई थी, लेकिन शिकायत के बावजूद वह उस समय तक चालू नहीं हुआ था। वहीं खन्ना कुआँ ट्यूबवेल की खराबी

5 सितंबर को दर्ज हुई और 7 सितंबर को ठीक की गई। यानी करीब 48 घंटे का समय लगा। इसी तरह धोबी घाट ट्यूबवेल की खराबी 8 सितंबर को दर्ज हुई और 10 सितंबर को ठीक की गई, जिसमें करीब 50 घंटे लग गए। पार्श्व का कहना था कि जब ठेकेदार को मरम्मत के लिए समयसीमा तय करके जिम्मेदारी दी गई है तो उससे अधिक समय लेने पर अनुबंध की शर्तों के अनुसार पेनल्टी क्यों नहीं लगाई जा रही?

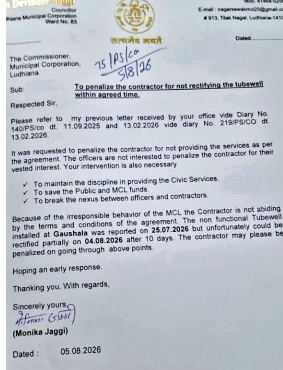
■ **फरवरी में फिर शिकायत, आरोप-कार्रवाई में अधिकारियों की रुचि नहीं:** मामला उठाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पार्श्व ने 13 फरवरी 2026 को निगम कमिश्नर को दोबारा पत्र भेजा। इसमें उन्होंने पिछली शिकायत का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि अधिकारी ठेकेदार को दंडित करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने कमिश्नर से हस्तक्षेप कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई

करने की मांग की।

■ **अगस्त में फिर वही कहानी, 10 दिन बाद भी समस्या पूरी तरह दूर नहीं:** इसके बाद 5 अगस्त 2026 को पार्श्व ने एक और पत्र निगम कमिश्नर को भेजा। इस बार मामला गौशाला स्थित ट्यूबवेल का था। पार्श्व के मुताबिक इसकी खराबी की सूचना 25 जुलाई को दी गई थी, जबकि 4 अगस्त को इसे केवल आंशिक रूप से ठीक किया गया। यानी करीब 10 दिन बाद भी समस्या पूरी तरह दूर नहीं हुई।

■ **समयसीमा टूटने पर पेनल्टी क्यों नहीं:** पार्श्व ने सवाल उठाया कि जब ठेकेदार को तय समय के भीतर ट्यूबवेल ठीक करने की जिम्मेदारी दी गई है तो बार-बार देरी के बावजूद उसके खिलाफ पेनल्टी क्यों नहीं लगाई जा रही।

उनका आरोप है कि समय पर कार्रवाई न होने से न केवल लोगों को पानी की समस्या झेलनी पड़ती



है, बल्कि निगम के साथ हुए समझौते की शर्तों का पालन कराने पर भी सवाल खड़े होते हैं। 11 सितंबर 2025 से 5 अगस्त 2026 तक तीन बार शिकायतें सामने आने के बावजूद यदि ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हुई है तो सवाल सिर्फ ट्यूबवेलों की मरम्मत का नहीं, बल्कि निगम के अनुबंधों की निगरानी और अधिकारियों की जवाबदेही का भी है।

रक्षाबंधन की रौनक, भाई-बहन के प्यार का दिखा खूबसूरत रंग



लक्की भट्टी | लुधियाना | समर न्यूज़
रक्षाबंधन के पर्व को लेकर लुधियाना के बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिला। बाजारों में बहनों की भीड़ राखियों की खरीदारी के लिए उमड़ी। रंग-बिरंगी और आकर्षक डिजाइनों वाली राखियों से दुकानें सजी नजर आईं।

सराभा नगर थाना संभालते ही इंस्पेक्टर हर्षवीर ने कसी कानून-व्यवस्था की कमान

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना

समर न्यूज़

सराभा नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हर्षवीर संधू अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं। सराभा नगर थाने की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय पुलिसिंग पर जोर दिया है।

इंस्पेक्टर हर्षवीर संधू इससे पहले सलेम ठावरी थाने में एसएचओ के रूप में सेवाएं निभा चुके हैं। वहां भी उन्होंने कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और लोगों की शिकायतों का समाधान करवाने में सक्रिय भूमिका निभाई। सराभा नगर में थाना प्रभारी के रूप में वह आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और अपराधियों के



खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस टीम लगातार सक्रिय है। इंस्पेक्टर संधू का कहना है कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाना और जनता का पुलिस पर विश्वास मजबूत करना है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। स्थानीय लोगों ने इंस्पेक्टर हर्षवीर संधू की कार्यशैली और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की है।

कर्मचारियों, पेंशनरों ने डीसी कार्यालय के समक्ष दिया धरना

लक्की भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

मुलाजिम एवं पेंशनर्स संयुक्त मंच पंजाब के आह्वान पर आज समूचे मुलाजिम एवं पेंशनर्स संयुक्त कमेटी, लुधियाना की ओर से सरकार विरोधी महासंग्राम को सफल बनाने के लिए डीसी कार्यालय के समक्ष जिला स्तरीय विशाल धरना दिया गया। विशाल धरने में बड़ी संख्या में पहुंचे मुलाजिमों एवं पेंशनरों के उत्साह ने आज के पंजाब बंद की सफलता पर अपनी मुहर लगा दी।

धरने को संबोधित करते हुए विभिन्न विभागों के नेताओं ने सरकार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें स्वीकार नहीं की गईं तो आम आदमी पार्टी को इसका सबक सिखाया जाएगा। मुलाजिम नेताओं ने मांगें न माने जाने की स्थिति में भगवंत मान सरकार को सत्ता से हटाने का आह्वान किया, जिसे उपस्थित सभी मुलाजिमों ने नारों की गूंज के बीच स्वीकार करते हुए इसे सफल



बनाने का संकल्प लिया। नेताओं ने मुलाजिमों की प्रमुख मांगों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें पुरानी पेंशन योजना की बहाली, 17 जुलाई 2020 के पत्र को रद्द कर पंजाब का छठा वेतन आयोग लागू करना, 35,400 वेतनमान लागू करवाना, बकाया डी.ए. की किस्तें और एरियर जारी करना, ए.सी. पी. योजना के तहत 4-9-14 वर्षों की सेवा का लाभ देना, प्रोबेशन अवधि एक वर्ष करके पूर्ण वेतन और भत्ते देना, आउटसोर्स एवं

दीवान और सतवीर ने अपराध से निपटने पर कनाडाई सांसद सहोता से की बातचीत



लक्की भट्टी | लुधियाना

समर न्यूज़

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव पवन दीवान और जिला योजना बोर्ड, शहीद भगत सिंह नगर के पूर्व चेयरमैन सतवीर सिंह पल्लोझिक्की ने ब्रैम्पटन नॉर्थ से सांसद रूबी सहोता से मुलाकात की।

रूबी सहोता इस समय कनाडा में अपराध से निपटने संबंधी राज्य सचिव के रूप में भी सेवाएं निभा रही हैं। इस अवसर पर दीवान और सतवीर के साथ लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा

के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरदम मांगट और अमरप्रीत ओलख भी मौजूद थे। बैठक के दौरान दीवान और सतवीर ने सहोता के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सहोता ने कनाडा में अपराध, जबरन वसूली, गोलीबारी और नशों की तस्करी से निपटने में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए शहरों के मेयरों, प्रांतीय मंत्रियों, और सीबीएसए अधिकारियों पर आधारित एक समिति बनाई गई है।

जिम संचालक पर दात व किरपाण से किया हमला

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना

समर न्यूज़

शिमलापुरी इलाके में रात के समय जिम बंद कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे संचालक को तीन अज्ञात युवकों ने घेरकर लूट लिया। आरोपियों ने दात और किरपाण से हमला कर बलजिंदर सिंह को घायल कर दिया। इसके बाद उसके गले में पहनी करीब 36 ग्राम सोने की चेन और जेब में रखे 36 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। हमले में उसकी आंख के पास चोट लगी और दो टांके लगाए गए।

मोहल्ला कोट मोलत सिंह निवासी बलजिंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह रात करीब 10:35 बजे जिम बंद करने के बाद मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। ढाबा रोड स्थित हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल के पास पहुंचते ही तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने उसे घेरकर मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद दात और किरपाण से वार किए, जिससे वह सड़क पर गिर गया।

शादी का झांसा देकर महिला से संबंध और लोन की रकम हड़पने का आरोप

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना

समर न्यूज़

शादी का झांसा देकर महिला से शारीरिक संबंध बनाए और उसके नाम पर लोन कार्रवाकर रकम हड़पने के आरोप में थाना डिवीजन नंबर-3 की पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता महिला का आरोप है कि आरोपी ने पहले उसे अपने विश्वास में लिया और बाद में शादी से मुकरने के साथ उसे धमकियां देने लगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि आरोपी अजय कुमार ने पहले उससे दोस्ती की। इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। बाद में महिला को पता चला कि अजय कुमार पहले

से शादीशुदा है और उसकी करीब छह साल की बेटी भी है। महिला के अनुसार, अजय के परिवार के सदस्यों ने उसे भरोसा दिलाया कि उसका पत्नी से तलाक करवा दिया जाएगा और इसके बाद अजय की शादी उससे करवा दी जाएगी। आरोप है कि परिवार के सदस्यों ने इसी भरोसे में उसे रखा, लेकिन बाद में अजय का तलाक नहीं करवाया गया और शादी का वादा भी पूरा नहीं किया गया।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उससे लोन करवाने के लिए कहा। लोन की रकम मिलने के बाद आरोपियों ने उससे पैसे ले लिए। महिला का आरोप है कि बाद में न तो उससे शादी की गई और न ही उसकी रकम वापस की गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, अब आरोपी उसे धमकियां भी दे रहे हैं।

खन्ना के सदर थाने की घटना से जुड़ा है मामला

थाने में तीन लोगों को निर्वस्त्र कर पीटने के मामले में पूर्व एसएचओ को 3 साल की सजा

वीडियो वायरल होने के बाद हुआ था विवाद; जांच के बाद दर्ज हुआ था केस

समर न्यूज़ | खन्ना

लुधियाना की सत्र अदालत ने खन्ना सदर थाने के तत्कालीन एसएचओ और इंस्पेक्टर बलजिंदर सिंह को तीन लोगों के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार करने के मामले में तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। मामला जून 2019 का है, जब एक पूर्व सरपंच, उसके बेटे और एक परिचित को थाने में निर्वस्त्र किए जाने और उनके साथ मारपीट का वीडियो सामने आया था। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे।

वीडियो में तीन लोगों को थाने में निर्वस्त्र अवस्था में खड़े देखा गया था। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया था कि उन्हे हिरासत में लेकर मारपीट की गई और पूरी घटना का वीडियो बनाया गया। पुलिस ने बाद में तीनों

की पहचान गांव दहेड़ के पूर्व सरपंच जगपाल सिंह उर्फ जौगी, उनके बेटे गुरवीर सिंह और उनके परिचित जयवंत सिंह के रूप में की थी।

मामला सामने आने के बाद तत्कालीन पुलिस महानिदेशक ने जांच के निर्देश दिए थे। बाद में विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच के आधार पर बलजिंदर सिंह और तत्कालीन कांस्टेबल वरुण कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। दोनों पर चोट पहुंचाने, अवैध हिरासत, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानून समेत विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई हुई थी।

■ **उच्च न्यायालय तक पहुंचा था मामला:** पीड़ितों ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का भी रुख किया था। अदालत के समक्ष याचिका में पुलिस अधिकारी और अन्य प्रभावशाली लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। बाद में मामले की जांच विशेष जांच दल ने की। वर्ष 2020 में बलजिंदर

सिंह को गिरफ्तार भी किया गया था। जांच के दौरान वीडियो बनाने में कांस्टेबल वरुण कुमार की भूमिका भी सामने आई थी। उच्च न्यायालय के रिकॉर्ड में उसके मोबाइल फोन से वीडियो बनाए जाने का उल्लेख है। हालांकि, मामले में अलग-अलग चरणों में आरोपियों की भूमिका और घटनाक्रम को लेकर पक्षों की ओर से अलग दावे किए गए थे।

■ **सजा से पूरी तरह संतुष्ट नहीं पीड़ित पक्ष:** पीड़ित पक्ष के वकील गुरविंदर सिंह बराड़ के अनुसार, तीन साल की सजा के बावजूद वे फैसले से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि दोषी अधिकारी को पुलिस सेवा से बर्खास्त करने की मांग की जाएगी। मामले में लागू अन्य धाराओं के तहत सजा बढ़ाने के लिए उच्च न्यायालय का रुख करने पर भी विचार किया जा रहा है। अदालत के विस्तृत फैसले की प्रति उपलब्ध होने के बाद सजा, जुर्माने और सह-आरोपी वरुण कुमार से जुड़े निर्देशों की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

ट्राइम ब्रीफ

कार में आई दो महिलाओं ने गले मिलने की आड़ में दिया वारदात को अंजाम

अशवनी पाहवा | लुधियाना | समर न्यूज़ | लुधियाना में कार सवार लुटेरी महिलाओं का गैंग एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। ताजा मामला थाना लाडोवाल के अधीन आते गांव हंबड़ा का आया है, जहां दो महिलाओं ने गले मिलने के बहाने एक बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपट ली। बताया जा रहा है कि बजुर्ग महिला पति को दुकान पर खाना देने बहू के साथ पैसल जा रही थी, जहां रास्ते मे उसे स्विफ्ट कार सवार महिलाओं ने 'राधा स्वामी' कहकर रोका और जान-पहचान का दिखावा करते हुए गले लगा लिया। इसी दौरान एक महिला ने उनके दाएं कान से सोने की बाली खींच ली। वारदात के बाद दोनों महिलाएं कार में बैठकर फरार हो गईं। थाना लाडोवाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फैक्ट्री पर बदमाशों का धावा, मालिक को बंधक बना डेढ़ लाख कैश लूटा

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना | समर न्यूज़ | टिब्बा रोड स्थित लक्ष्मी एंटरप्राइजेज होजरी फैक्ट्री में बुधवार दोपहर हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोलकर फैक्ट्री मालिक को बंधक बना लिया। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी समेत बड़ी मात्रा में फैब्रिक लूट लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश टेम्पो में सवार होकर फरार हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी फैक्ट्री से सामान निकालकर टेम्पो में लोड करते नजर आ रहे हैं। फैक्ट्री मालिक के बेटे के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब एक से दो बजे के बीच लंच टाइम होने के कारण फैक्ट्री के सभी मजदूर बाहर गए हुए थे। वह खुद भी शहर से बाहर था। इस दौरान उनके पिता लालजी साहनी फैक्ट्री में अकेले थे। इसी का फायदा उठाकर तीन से चार बदमाश मेन गेट से फैक्ट्री के अंदर दाखिल हो गए।

न्यूजीलैंड भेजने का झांसा देकर 12 लाख रुपये ठगने का आरोप, केस दर्ज

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना | समर न्यूज़ | बस्ती जोधवाल इलाके में न्यूजीलैंड भेजने का झांसा देकर 12 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुरप्रीत सिंह निवासी बाजड़ा कॉलोनी की शिकायत पर की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, गुरप्रीत सिंह ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसके छोटे भाई परविंदर सिंह को न्यूजीलैंड भेजने का झांसा दिया था। विदेश भेजने के नाम पर आरोपी ने उनसे 12 लाख रुपये हासिल कर लिए। इसके बाद आरोपी ने न तो परविंदर सिंह को न्यूजीलैंड भेजा और न ही रकम वापस की। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, शिकायत के आधार पर की जांच की गई। जांच के बाद पुलिस ने आरोप सही पाए जाने पर मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

लुधियाना में शराब ठेके के पास युवक पर किरपाणों से हमला, पीजीआई रेफर

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना | समर न्यूज़ | गांव सीड़ा और मांगट के बीच स्थित शराब के ठेके के पास बुधवार रात करीब 10:30 बजे 36 वर्षीय वीर दिवंदर सिंह पर कुछ लोगों ने किरपाणों से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की बहन राजिंदर कौर ने दो लोगों पर उसके भाई पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि हमलावर घायल वीर दिवंदर को सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। हमले में वीर दिवंदर के हाथ-पैर की हड्डियां और अंगुलियों में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों के मुताबिक, वह पूरी रात सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा रहा। सुबह राहगीरों ने परिवार को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसे लुधियाना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया। राजिंदर कौर ने बताया कि दो-तीन दिन पहले उसके भाई की शराब ठेके के कर्मचारियों के साथ कहासुनी हुई थी।

ब्यूटी पार्लर की आड़ में घर की रेकी अलमारी से गहने समेटकर फरार

अशवनी पाहवा | लुधियाना | समर न्यूज़ | लुधियाना में ब्यूटी पार्लर में फेशियल करवाने के बहाने पहुंची दो शातिर महिलाओं द्वारा घर से लाखों रुपये के सोने के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोपित महिलाएं पार्लर में फेशियल करवाने के दौरान रेशमा का ध्यान भटकाकर घर के अंदर रखे सोने के गहनों पर हाथ साफ कर गईं। उनके जाने के बाद जेवर गायब मिलने पर परिवार को चोरी का पता चला। पीड़िता के पति की शिकायत पर थाना टिब्बा पुलिस ने तब्बसुम और तरनुम के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता के पति ने बताया कि उनकी पत्नी रेशमा घर में ही कॉस्मेटिक और ब्यूटी पार्लर का काम करती है। कुछ समय पहले तब्बसुम और तरनुम नाम की दो महिलाएं फेशियल करवाने के बहाने उनके घर स्थित पार्लर में आई थीं। दोनों महिलाएं फेशियल करवाने के दौरान रेशमा से बातचीत करती रहीं और उसका ध्यान अपनी ओर लगाए रखा।इसी दौरान मौका पाकर दोनों महिलाओं ने बड़ी चालाकी से दुकान और कमरे में रखे सोने के जेवरत चोरी कर लिए।